MATTER RAISED WITH PERMISSION

Demand for ordering C.B.I. Inquiry into desecration of the statue of Dr. B.R. Ambedkar at Kanpur, (U.P.)

श्री उपसभापति: कुमारी मायावती जी।

कुमारी मायावती (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति जी, उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर में बाबा साहब डा॰ भीमराव अम्बेडकर की तोड़ी गई प्रतिमा का मामला अब काफी गम्भीर बन चुका है। मैंने जब फाइडे को आपकी अनुमति से यह मामला अपनी पार्टी की ओर से सदन में उठाया, तब मैंने इस मामले को उठाते हुए यह बात आपके संज्ञान में लायी थी कि बाबा साहब डा॰ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा को तोड़ने के आरोप में जिस आदमी को पकड़ा गया है, वह अनुसूचित जाति से ताल्लुक रखता है। यह कहा गया, मीडिया के माध्यम से पूरे देश में यह प्रचारित किया गया कि शैडयूल्ड कास्ट के एक आदमी ने शराब पीकर बाबा साहब डा॰ अम्बेडकर की 10-12 फुट ऊंची प्रतिमा पर चढ़कर कर उसका सर तोड़ा है। इस घटना के बाद पूरे देश में तनाव की स्थिति पैदा हुई और खास तौर से महाराष्ट्र में, जो बाबा साहब डा॰ भीमराव अम्बेडकर की कर्मभूमि रही है, वहां के लोग ज्यादा गुस्से में आ गए और सड़कों पर भी उतरे। हालांकि गुस्से में आकर उन्होंने सरकारी सम्पत्ति का जो नुकसान किया, उसके हक में हमारी पार्टी नहीं है, क्योंकि उनको अपना जो भी रोष प्रकट करना चाहिए था, उसे शांतिमय ढ़ग से उनको करना चाहिए था। मैंने फ्राइडे को यह कहा था कि शैडयूल्ड कास्ट के लोग जो बाबा साहब डा॰ भीमराव अम्बेडकर को अपना मसीहा मानते हैं, भगवान मानते हैं, तो यह मुझे नहीं लगता कि शैडयूल्ड कास्ट का कोई आदमी बाबा साहब डा॰ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा को तोड़ेगा। मैंने यह बात फ्राइडे को हाउस के अन्दर रखी थी। लेकिन जब मैंने यह बात हाउस के अन्दर रखी, तो किसी को भी जल्दी से यकीन नहीं हो रहा था। ज्यादातर लोग सदन में इसे मामले पर यह सोच रहे थे कि शायद कोई राजनीतिक लाभ उठाने के लिए इस किस्म की बात रखी जा रही है, लेकिन ऐसा कुछ नहीं था। उसी दिन शाम को मीडिया के माध्यम से, जिस व्यक्ति को पकड़ा गया था, उस व्यक्ति ने अपने बारे में बताया कि सरकार ने मुझे फर्जी तरीके से फंसाया। उसने अपनी आप-बीती बताई कि मुझे ये लोग रात को दो बजे के करीब उठाकर ले गए और मुझे उन्होंने कहा कि भाई, हम आपको दस हजार रुपये देंगे, आप खुद यह कबूल कर लें कि आपने और आपके कुछ साथियों ने बाबा साहब की प्रतिमा तोड़ी है। इतना ही नहीं, उसको डराया-धमकाया गया, उसको सौ रुपये भी दिए गए, शराब भी पिलाई गई, लेकिन जब उस शैडयूल्ड कास्ट के आदमी ने उनकी बात को नही माना, तो उसको बिजली का करंट भी लगाया गया। यह मानवाधिकार का सीधा उल्लंघन है, इसलिए इस मामले को भारत सरकार को गंभीरता से लेना चाहिए और इसको भारत सरकार का जो मानवाधिकार आयोग है, उसको रेफर करना चाहिए, क्योंकि इस मामले में एक तो बाबा साहब की

प्रतिमा तोड़ी गई और दूसरा उसमें शैडयूल्ड कास्ट के एक आदमी को फंसाया गया, जो वाल्मीकी समाज से ताल्लुक रखता है।

मान्यवर, मैंने फ्राइडे को भी कहा था कि मुझे इस पूरे मामले के पीछे राजनीतिक षडयंत्र नजर आता है और मुझे ऐसा लगता है कि शैडयूल्ड कास्ट के लोगों को फंसाने की साजिश चल रही है। फ्राइडे को भी हमने यह कहा था और आज भी इस बात की पुरजोर तरीके से मांग करते हैं, क्योंकि अब यह मामला सिर्फ स्टेट तक सीमित नहीं रहा बल्कि इस मामले को लेकर पूरे देश में तनाव पैदा हो गया है, इस मामले में शेडयूल्ड कास्ट के आदमी के साथ ज्यादती हुई है, उसको फर्जी फंसाया गया है। यह जो शेडयूल्ड कास्ट का मामला है, यह कोई स्टेट का नहीं रहा, इसमें एक तरफ बाबा साहब की प्रतिमा तोड़ी गई है, जिन्होंने भारतीय संविधान बनाया है दूसरी तरफ शेडयूल्ड कास्ट के आदमी को जिस तरीके से प्रताड़ित किया गया है, उससे अब यह मामला स्टेट का नहीं रहा बल्कि यह एक नेशनल इश्यू बन चुका है, इसलिए सेंट्रल गवर्नमेंट को इस मामले को गंभीरता से लेना है।

मान्यवर, यह कहना ठीक है, जैसा माननीय सभापति जी ने कहा कि आप सेंट्रल गवर्नमेंट से मांग करें कि माननीय गृह मंत्री जी इसके ऊपर बयान दें। मैं समझती हूं कि यह बात ठीक है, वे बयान दे देंगे, लेकिन बयान देने से ही इस समस्या का हल होने वाला नहीं है, क्योंकि यह मामला काफी गंभीर बन चुका है, इसलिए मेरी आपसे फिर पुरजोर अपील है कि इस मामले की सी॰बी॰आई॰ से जांच होनी चाहिए और सी॰बी॰आई॰ की जांच से नीचे हमारी पार्टी किसी भी बात को मानने को तैयार नहीं है। आप इस मामले में सी॰बी॰आई जांच कराएं, क्योंकि यह मामला काफी गंभीर है, इस मामले में शेडयूल्ड कास्ट के आदमी को फंसाया ही नहीं गया बल्कि उसका उत्पीड़न भी किया गया है और अब यह मामला स्टेट तक सीमित नहीं रहा अब मामला सेंटर के अधीन आ जाता हैं

मान्यवर, मेरी आपसे अपील है कि सेंट्रल गवर्नमेंट इस मामले में जो भी कदम उठाए, वह अच्छी बात होगी, लेकिन यह मामला काफी गंभीर हो चुका है, इसलिए इस मामले में सी॰बी॰आई॰ से जांच होनी चाहिए और उत्तर प्रदेश की सरकार से इस मामले को लेकर, वैसे तो वहां की लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति बहुत ज्यादा खराब है, वहां समाज के हर सेक्शन पर काफी जुल्म और ज्यादती हो रही है, हर क्षेत्र में हो रही है, उत्तर प्रदेश के गवर्नर साहब तो इस बारे में भारत सरकार को कई बार अपनी रिपोर्ट दे चुके हैं, महामहिम राष्ट्रपति जी को भी इस बात की जानकारी है, पूरे मीडिया के माध्यम से इस बात की सबको जानकारी है, इसलिए वह सरकार चलने के लायक तो है नहीं, बेहतर यही होगा कि सेंट्रल गवर्नमेंट महामहिम राज्यपाल जी की सिफारिश को मानकर उत्तर प्रदेश की सरकार को बरखास्त करे, खासतौर से कानपुर की घटना को लेकर और जिस तरीके से शेडयूल्ड कास्ट के आदमी को फर्जी फंसाया गया, इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए

सी॰बी॰आई॰ की जांच होनी चाहिए और इस मामले को भारत सरकार के मानवाधिकार आयोग के पास भेजना चाहिए, क्योंकि इस मामले में शेडयूल्ड कास्ट के आदमी को करंट लगाया गया है। महामहिम राज्यपाल जी की सिफारिश को, उनकी बात को सेंट्रल गवर्नमेंट माने। उन्होंने आपको लिखकर भी दिया है, इसलिए वहां की सरकार को बरखास्त करके वहां प्रेसीडेंट रुल लगाना चाहिए। इस मामले में सी॰बी॰आई॰ की जांच से नीचे किसी भी बात को मानने के लिए हमारी पार्टी तैयार नहीं है।

श्री उपसभापति: श्री अमर सिंह। .....(व्यवधान)

कुमारी मायावती: मान्यवर, पहले आप हमारी बात का जवाब दे दीजिए कि सी॰बी॰आई॰ ...(व्यवधान)

श्री उपसभापति: नहीं, नहीं।

कुमारी मायावती: सर, पहले हमारी बात का जवाब आना चाहिए कि आप सी॰बी॰आई॰ से जांच कराएंगे। ...(व्यवधान)

श्री उपसभापति: नहीं, तो बात हुई थी। ...(व्यवधान)... देखिए चेयरमैन साहब से जो बात हुई। ...(व्यवधान)

श्री अमर सिंह (उत्तर प्रदेश): यह गलत बात है। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: यह गलत हैं .....(व्यवधान)...

चैम्बर में जो बात हुई थी, मैं उसे रिपीट नहीं करना चाहता । .....(व्यवधान)... मिश्र जी, चैम्बर में जो बात हुई थी, मैं उसे रिपीट नहीं करना चाहता, वहां जो हम मानकर आए थे, उस पर तो ...(व्यवधान)

कुमारी मायावती: हम सदन से बायकॉट करते हैं। ...(व्यवधान)...

(At this stage, some hon. Members left the Chamber.)

श्री अमर सिंह : उपसभापति जी, अब मैं बोलना चाहता हूं। ...(व्यवधान)

श्री दिनेश त्रिवेदी (पश्चिमी बंगाल): मैं सिंगूर के मामले में बोलना चाहता हूं । ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: त्रिवेदी जी, आप बैठिए। ...(व्यवधान)...आप बैठिए, प्लीज़।

श्री अमर सिंह: माननीय उपसभापति जी, मुझे इस बात का बड़ा दुख है कि माननीया कुमारी मायावती, जिन्होंने अपनी बात कही, मेरी बात सुनने के लिए यहां उपस्थित नहीं हैं, वे चली गई। मैं बड़े विनय के साथ कहना चाहता हूं कि यह मामला इस सदन में उठाने की इजाजत आपने दी है

और हम भी इसलिए इससे सहमति रखते हैं क्योंकि यह मामला दलितों का है और दलितों के प्रति सिर्फ किसी एक पार्टी का अनुराग नहीं है। चाहे इस ओर बैठे व्यक्ति हों, चाहे उस ओर बैठे व्यक्ति हों, चाहे हम हों, कोई सरकार यह नहीं चाहेगी कि दलितों के साथ अत्याचार हो या उनका उत्पीड़न हो। संघीय ढांचे में अगर यह परम्परा चलती रही कि राज्यों में अगर कोई गड़बड़ हो रही हो और इस पर अगर केन्द्र सरकार का हस्तक्षेप होने लगा, CBI की इंक्वायरी की मांग उठने लगी, तो फिर निर्वाचित राजय सरकारों के रहने का कोई औचित्य नहीं होगा। यह दलितों के ऊपर अत्याचार की बात नहीं है, एक मूर्ति के टूटने का प्रश्न है, यह बहुत दुखद घटना है। मूर्ति चाहे उड़ीसा में बीजू पटनायक की टूटे, चाहे बापू की टूटे, चाहे मीनाताई ठाकरे जी की टूटे ...(व्यवधान)...

श्री मुख्तार अब्बास नकवी (उत्तर प्रदेश): उत्तर प्रदेश में पंडित दीन दयाल उपाध्याय की तोड़ी गई। ...(व्यवधान)...

श्री अमर सिंह: चाहे उनकी तोड़ी जाए। ...(व्यवधान)... चाहे उत्तर प्रदेश में दीन दयाल उपाध्याय की ...(व्यवधान)...

श्री मुख्तार अब्बास नकवी: आपके एक मंत्री ने ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: नकवी जी, आप बैठिए।

श्री अमर सिंह: मैं मुख्तार अब्बास नकवी जी स सहमत हूं कि चाहे दीन दयाल उपाध्याय जी की मूर्ति तोड़ी जाए ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: तोड़ी नही गई, हटाई गई है।

श्री अमर सिंह: तोड़ी जाए हटाई जाए, जो भी हो, लेकिन अगर किसी मूर्ति का अपमान होता है, किसी की भी मूर्ति का अपमान होता है, तो वह अच्छी बात नहीं है, वह एक गंभीर बात है और यह नहीं होना चाहिए, इससे मैं सहमत हूं। लेकिन, मैं यह भी कहना चाहता हूं कि महाराष्ट्र में दलितों की हत्या हो गई, लेकिन हमने यह आवाज नहीं उठाई कि महाराष्ट्र सरकार के ऊपर CBI की जांच हो। इसी तरह से मध्य प्रदेश में भी दलितों की हत्या हुई, गुजरात में Massacre हो गया, उस Massacre के बाद वहां के मुख्य मंत्री के नेतृत्व में चुनाव हुए, हमने नहीं कहा कि वहां की सरकार बर्खास्त कर दी जाए या वहां पर राष्ट्रपति शासन लागू हो। मैं बड़े आदर के साथ कहना चाहता हूं कि यह संघीय ढांचे पर एक हमला है और यह हमला अच्छा नहीं है। आज उत्तर प्रदेश का प्रश्न हैं, कल पश्चिमी बंगाल का प्रश्न होगा, परसों मध्य प्रदेश का प्रश्न होगा और अनवरत इसी तरीके से ये बेबुनियाद मांगें उठेंगी। जहां तक कानपुर की इस घटना का ताल्लुक है, मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ कहना चाहता हूं कि अगर इस तरह की कोई गलत घटना हुई है तो राज्य सरकार अपने कर्त्तव्य के निर्वहन से पीछे नहीं हटेगी और चाहे कोई पुलिस अधिकारी हो, चाहे कोई भी व्यक्ति दोषी हो, उसे कड़ी से कड़ी सजा देने में हमारी सरकार, हमारे दल की सरकार कोई गुरेज नहीं करेगी।

मैं कहना चाहता हूं कि बाबा साहब डा॰ भीमराव अम्बेडकर किसी एक दल की थाती नहीं हैं। वे हमारे संविधान के निर्माता हैं, जिस संविधान की हमने कसम खाई है, जिस संविधान के तहत आज हम यहां संसद में उपस्थित हैं, उस संविधान के निर्माता का नाम बाबा साहब डा॰ भीमराव अम्बेडकर है और बाबा साहब डा॰ भीमराव अम्बेडकर पूरे देश के हैं, किसी व्यक्ति विशेष के नहीं हैं। बाबा साहब डा॰ भीमराव अम्बेडकर पूरे देश के हैं, व्यक्ति विशेष के नहीं है। बाबा साहब डा॰ भीमराव अम्बेडकर को कोई अपनी बपौती और जागीर नहीं बना सकता। बाबा साहब डा॰ भीमराव अम्बेडकर के प्रति पूरे आदर और समर्पण का भाव दिखाते हुए मैं सदन की उस भावना से सहमत हूं, जिसके तहत श्री सुरेश पचौरी जी ने उस दिन एक निन्दा प्रस्ताव किया था, जिसे अपने अशोभनीय आचरण से हमारी बहन, कुमारी मायावती जी ने उसको ठीक से, एक सौहार्दपूर्ण वातावरण में पारित नहीं होने दिया था। आज यह तय हुआ था कि पहले मायावती जी बोलेंगी, उसके बाद हम बोलेंगे। उनकी बात हम शालीनता से सुनेंगे और वे हमारी बात सुनेंगी। लोकाशाही में समाजहीनता की स्थिति बहुत खराब होती है। लेकिन आज उन्होंने जो स्थिति उत्पन्न की है, एक तो वह सदन में ही बहुत कम आती है, लेकिन जब भी आती हैं, कोलाहल करके वह अपने चरित्र का परिचय देती हैं। मैं कहना चाहूंगा कि सदन के किसी भी सदस्य की आपस में समाजहीनता की स्थिति नहीं रहे ...(व्यवधान)... यह मैं इसलिए कह रहा हूं कि जो तय हुआ था, उसका पालन उन्होंने नहीं किया। मैं बहुत दु:ख के साथ कहना चाहता हूं, मुझे इस चीज से बड़ी संवेदना है, बहुत कष्ट है, बहुत खेद है कि उत्तर प्रदेश में एक दुख:द आकस्मिक दुर्घटना हुई है, लेकिन किसी भी सरकार का इसमें कोई हाथ नहीं है। अगर गृह मंत्री वक्तव्य देना चाहते हैं, तो वे उत्तर प्रदेश सरकार से जानकारी ले कर वक्तव्य दे सकते हैं। बहुत-बहुत धन्यवाद!

श्रीमती सुषमा स्वराज (मध्य प्रदेश): सर, तीसरा नम्बर इनका था, उनका चौथा नम्बर था। सर, जो क्रम तय हुआ था, उसे क्यों बदल रहे हैं। जो क्रम अंदर तय हुआ था, उसे चलने दीजिए, सर।

श्री उपसभापति: अगला नम्बर कांग्रेस का है ...(व्यवधान)... क्रम कहां तय हुआ है? ...(व्यवधान)...

श्री राशिद अल्वी (आन्ध्र प्रदेश): सुषमा जी, एक मिनट हमें भी बोलने दीजिए। जब हम खड़े होते हैं, उसी समय यह खड़ी हो जाती हैं।

श्रीमती सुषमा स्वराज: उन्होंने केवल एक ही वाक्य तो कहना है, कोई भाषण नहीं करना है।

श्री उपसभापति: अब मैंने उनका नाम बोल दिया है।

SHRI C. RAMACHANDRAIAH (Andhra Pradesh): Sir, I was permitted to speak ....*(Interruptions)*... I requested the Chair ....*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Ramachandraiah, your name is not there ...*(Interruptions)*...

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: Sir, the policy matters are being announced outside the House ...*(Interruptions)*... When we raised the issue of skull and bones being printed on beedi packets, we demanded the Minister to come and make a statement ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is not the subject ...*(Interruptions)*...

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: He is making statements outside the House ...*(Interruptions)*... The House is in Session and he is making his statements outside the House. ...*(Interruptions)*... The privilege of the House is involved ...*(Interruptions)*... How can he make a statement outside the House when the House is in Session? ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is not the subject that we are discussing now ....*(Interruptions)*. .

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: I am raising it ...*(Interruptions)*. I sought the permission ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The Chairman has not permitted it ...*(Interruptions)*...

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: How can policy matters be announced outside the Parliament when it is in Session? ...*(Interruptions)*... Is it not an affront to the Parliamentary democracy? ...*(Interruptions)* .. Is it not the privilege of the House? ...*(Interruptions)*. .

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is also not a privilege that anything without the permission of the Chair can be raised ...*(Interruptions)*... It is also not a privilege ...*(Interruptions)*...

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: By mistake my name is not written ....*(Interruptions)*... I sought the permission of the Chair ...*(Interruptions)* .

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Siddiqui, he does not need your support. ...*(Interruptions)*... Please sit down, ...*(Interruptions)*... Mr. Siddiqui, please sit down. ...*(Interruptions)*... Let me complete this work. ...*(Interruptions)*... This is not yet over . .*(Interruptions)*... The issue, which we are discussing, is not yet over ...*(Interruptions)*...

श्री राशिद अल्वी: सर, मैं आपका शुक्र गुजार हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया ...(व्यवधान)...

डा॰ मुरली मनोहर जोशी (उत्तर प्रदेश): सर।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have called his name ....*(Interruptions)*...

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: क्या इनके बाद मेरा नम्बर है?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes.

श्री राशिद अल्वी: सर, मैं आपका बहुत शुक्रिया अदा करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Only two minutes.

श्री अबू आसिम आजमी (उत्तर प्रदेश): सर, ये सीबीआई इंक्वायरी की मांग कर रहे हैं ...(व्यवधान)....

[**شری ابو عاصم اعظمی** : سر، یہ سی-بی-آئی- انکوائری کی مانگ کر رہے ہیں-
-مداخلت-]

श्री उपसभापति: आजमी साहब, आप बैठिए। देखिए, आजमी साहब, जब आप बोलते हैं तो दूसरे सुनते हैं, लेकिन जब दूसरे बोलते हैं तो आप नहीं सुनते, यह सही बात नहीं है ...(व्यवधान)...

श्री राशिद सिद्दिकी (उत्तर प्रदेश): वह मुसलमानों के साथ एक रवैया होगा और दूसरों के साथ दूसरा ...(व्यवधान)...

[**شری شاہد صدیقی** : یہ مسلمانوں کے ساتھ ایک رویہ ہوگا اور دوسروں کے
ساتھ دوسرا -مداخلت-]

श्री उपसभापति: उसके लिए आप अलग मामला उठाइए, उसे इसमें क्यों मिलाते हैं? Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*... Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*... आप बैठिए, बैठिए ...(व्यवधान)... सिद्दिकी साहब, आप आपने दिल का दर्द कानून के हिसाब से रखिए, रूल्स के हिसाब से रखिए।

श्री राशिद अल्वी: मुझे तो ताज्जुब है, इस देश के दलितों के साथ, डिस्क्रिमिनेशन हो रहा है, इस जुमले से किसी को तकलीफ क्यों हो रही है। क्या इस देश के अंदर दलितों के साथ ज्यादती नहीं हुई है और शायद यही एटीटयूड है जो मजबूर करता है यह कहने के लिए कि कानपुर के अंदर सी॰बी॰आई॰ की इंक्वायरी होनी चाहिए। कांग्रेस ने महाराष्ट्र के अंदर, खैरलांजी के अंदर दलित लोगों के साथ ज्यादती की, जिन्दा जलाया गया।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Alvi, I have called the next speaker. Your three minutes are over.

[ ]Transliteration in Urdu Script.

श्री राशिद अल्वी: सर मुझे कहने दिया जाए। ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have told you to take two minutes and you have taken three minutes.

श्री राशिद अल्वी: कुछ भी हो सकता है। तमाम राजनीतिक दल कह रहे हैं, उत्तर प्रदेश की सरकार को डिसमिस करना चाहिए, तमाम राजनीतिक दल कह रहे हैं कि उत्तर प्रदेश के अंदर राष्ट्रपति शासन होना चाहिए। सर, उत्तर प्रदेश के अंदर जंगल राज है और बदकिस्मती के साथ उसके अंदर समाजवादी पार्टी शामिल है, उसके अंदर उत्तर प्रदेश की सरकार शामिल है। इसलिए कानपुर के अंदर सी॰बी॰आई॰ इंक्वायरी होनी चाहिए और सी॰बी॰आई॰ इंक्वायरी से यह बात पता चलेगी कि क्या सच है, क्या गलत है।

श्री अमर सिंह: आपके मंत्री को करना है तो करवा लीजिए। ...(व्यवधान)...

श्री राशिद अल्वी: आप लिख कर भेजिए कि सी॰बी॰आई॰ इंक्वायरी होनी चाहिए। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: आप बैठिए, हो गया आपका। आपको जो कुछ कहना था, कह दिया। ...(व्यवधान)...

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN (Kerala): Sir, is it a discussion? What is this? ...*(Interruptions)*...

श्री राशिद अल्वी: यू॰पी॰ की सरकार दलित दुश्मन सरकार है। ...(व्यवधान)...

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN: it is a Dalit issue. Naturally, we also want to speak on this. ...*(Interruptions)*... That is what I am saying. ....*(Interruptions)*...

श्री राशिद अल्वी: सर, इनका यह कहना ...(व्यवधान)...

SHRI PRASANTA CHATTERJEE (West Bengal): We also want to speak on this.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It was decided ...*(Interruptions)*... You spoke on that day. You spoke on the first day. ...*(Interruptions)*...

प्रो॰ राम देव भंडारी (बिहार): सर, आप बड़ी पार्टी को समय दे रहे हैं तो छोटी पार्टी वालों को क्यों नहीं दे रहे हैं। ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please wait. Please wait. ...*(Interruptions)*...

श्री अमर सिंह: सर, उन्होंने आरोप लगाया है हमारे ऊपर ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: देखिए, यू०पी० का मामला है यू०पी० के मेंबर्स बातें करेंगे। ...(व्यवधान)... आप बैठिए न, आप बैठिए भंडारी जी, ...(व्यवधान)...

श्री अमर सिंह: जोशी जी, इन्होंने हमारे ऊपर आरोप लगाया है, ...(व्यवधान)... एक सैकंड सर, यील्ड करिए, एक सेकेंड सर। ...(व्यवधान)... उपसभापति जी, एक सैकंड लूंगा। इन्होंने सी०बी०आई० जांच की मांग की है। उस सी०बी०आई० के ऊपर क्या एतबार करें जिसके ऊपर सुप्रीम कोर्ट टिप्पणी करती है। ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Nothing is going on record. जो जोशी जी बोल रहे हैं, वही रिकार्ड पर जाएगा। अल्वी जी, आपका हो गया, बैठिए। ...(व्यवधान)... अमर सिंह जी, आपने कहा था कि आप शालीनता से बोलेंगे। ...(व्यवधान)... अल्वी साहब, आप बैठिए, आप बैठ जाइए। प्लीज बैठिए। Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*... That is not the question ...*(Interruptions)*... Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*... Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*... Please wait. ...*(Interruptions)*... Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*... Nothing is going on record ...*(Interruptions)*... अमर सिंह जी, आप बैठिए ...(व्यवधान)...

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश पचौरी): ऐसा व्यक्ति या ऐसी संस्था जो अपने आपको डिफेंड नहीं कर सकती, एक स्टेटयूटरी आर्गनाइजेशन है ...(व्यवधान)...

SHRI SHAHID SIDDIQUI: *

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Nothing is going on record. Why are you worried? ...*(Interruptions)*... Nothing is going on record ...*(Interruptions)*... अमर सिंह जी, आप बैठिए,... अमर सिंह जी, आप बैठिए, I have stopped him... *(Interruptions)*... रिकार्ड में कुछ नहीं जा रहा है, आप बोल लीजिए अपने सेटिस्फैक्शन के लिए, रिकार्ड में कुछ नहीं जा रहा है। ...(व्यवधान) अल्वी साहब, आप बैठिए, आप खामोश बैठिए। ...(व्यवधान) आप बैठिए, अमर सिंह जी, आप बैठिए। ...(व्यवधान)...

डा० मुरली मनोहर जोशी: उपसभापति जी, यह प्रश्न बहुत गंभीर है और जिस प्रकार से चर्चा होनी चाहिए, जिस दिशा में होनी चाहिए मैं सदन का और सब का ध्यान आकर्षित करूंगा कि उसी तरफ हम उसको सीमित रखें। मैं कल कानपुर में था जहां यह घटना हुई और इत्तफाक से उसी स्थान पर ठहरा हुआ था जहां पुलिस के डी०जी०पी० और वहां के मुख्य सचिव ठहरे हुए थे। मेरे पास बहुत

*Not recorded.

से लोग भी मिलने के लिए आए और जो कुछ कानपुर में उस घटना की प्रतिक्रिया थी या लोगों ने जो बताया और उसके बाद उस व्यक्ति का जो बयान टेलीविजन पर आया, उन सब को देखने के बाद यह स्पष्ट हो गया कि कुछ न कुछ ऐसी घटना हुई है जिसमें गंभीर जांच की आवश्यकता है। पहली बात तो यह है कि यह एक मानवाधिकार का मामला भी बनता है, जिसमें कोई शक नहीं है। ऐसी घटना जहां कहीं भी हो जिसमें किसी व्यक्ति को आप इस तरह से उत्पीड़ित करें, करंट लगाएं, उसके साथ धोखाधड़ी करें, उसको लालच दें ...(व्यवधान)... कृपा करके मुझे बोलने दें। तो यह एक मानवाधिकार का भी मामला बनता है और उसके कारण से जो प्रतिक्रिया देश भर में हुई वह और भी गंभीर है। इसलिए मेरा अनुरोध यह है कि इन सारे प्रश्नों पर थोड़ा ठंडे दिमाग से हमें सोचने की जरूरत होती है। अगर एक घटना यह हुई, मूर्ति तोड़ी गई, किसने तोड़ी, यह जल्दी से जल्दी जांच करने की लोगों की कोशिश होती है और उसी कोशिश में यह सारी घटना, जो उत्तर प्रदेश के पुलिस अधिकारियों के द्वारा हुई, वह हुई, जो कि गलत हुई। उसकी प्रतिक्रिया स्वरूप जो महाराष्ट्र में हुआ वह भी गलत हुआ। हम दोनों घटनाओं का किसी भी हालत में समर्थन नहीं कर सकते। कहीं भी हो, जहां भी होगा, अभी जो पश्चिम बंगाल में हो रहा है वह और भी गलत हो रहा है। ...(व्यवधान).. सारे राज्यों में यह होता है। जहां भी हो, संघीय ढांचे पर अगर हमला हो, तो इसके हम हामी नहीं है! संघीय ढांचा संघीय ढांचे की तर्ज पर रहेगा। लेकिन यह जो प्रश्न है, इसमें केन्द्र सरकार अपने को अलग नहीं रख सकती। यह राज्य सरकारों की घटनाएं हैं, लॉ एंड आर्डर उनका सवाल है यह बात सही है। लेकिन दलितों का मामला यह केन्द्र सरकार के परव्यू में भी आता है। सामान्य तौर पर उनका संरक्षण करना और उनके प्रति समाज के अंदर व्यवस्था ठीक रहे यह ध्यान देना केन्द्रीय सरकार का भी काम है। तो मैं यह चाहूंगा कि केन्द्र सरकार क्या इस पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करेगी कि यह क्यों हो रहा है और क्या गृह मंत्री जी सदन में आकर सदन को बतलाएंगे। मैं चाहूंगा कि पहले सारे तथ्य सामने आ जाएं कि क्या चीज़ हुई है, उससे दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। हमने टी॰वी॰ क्लिपिंग्स देखी हैं, हमने वहां लोगों के बयान सुने हैं और उसके पश्चात् अगर बात सदन में नहीं आएगी, तो उसकी प्रतिक्रिया गंभीर होगी। मेरा सुझाव होगा और अनुरोध होगा कि सरकार की इस मामले में क्या प्रतिक्रिया है और वह इस मामले को कितनी गंभीरता से लेती है, उसके सच्चे तथ्य क्या हैं, ये सब चीजें हमको बतायी जाएं। हमने एक बात कुमारी मायावती जी की सुनी और एक बात श्री अमर सिंह जी की तरफ से सुनी, लेकिन हम इसको केवल दो पार्टियों का झगड़ा समझकर नहीं रोक सकते। ...(समय की घंटी) ... इसका जो चुनावी परिणाम है, उसकी तरफ मैं ध्यान नहीं ले जाना चाहता हूं, लेकिन जो वास्तविक घटना है, उसके तथ्य क्या हैं, यह मैं जानना चाहूंगा और सदन का हक है कि वह इस बात को जाने। उपसभापति महोदय, मैं चाहूंगा कि यहां पर मंत्री जी बैठे हुए हैं, क्या वह सरकार की तरफ से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करेंगे?...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: श्रीमती वृंदा कारत। ...(व्यवधान)...

श्रीमती वृंदा कारत: (पश्चिमी बंगाल): सर, ...(व्यवधान)... अभी एम मिनट। ...(व्यवधान)...

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: क्या मंत्री जी जवाब देंगे? क्या वह तथ्यों की जानकारी करके सदन को बतायेंगे? ...(व्यवधान)... वह कितनी जल्दी से जल्दी सदन को बता सकेंगे? ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: केवल दो मिनट। ...(व्यवधान)...

श्रीमती वृंदा कारत: सर, दो मिनट में यह नहीं होगा। ...(व्यवधान)...

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: सर, हम यह जानना चाहेंगे कि माननीय गृह मंत्री जी कब इसके बारे में जवाब देंगे? ...(व्यवधान)... हमें कब तक वह सारे तथ्यों से अवगत करायेंगे? ...(व्यवधान)... उपसभापति महोदय, हम आपके माध्यम से इसके बारे में मंत्री जी की प्रतिक्रिया जानना चाहेंगे।

श्रीमती वृंदा कारत: सर, हम आपके माध्यम से समर्थन करना चाह रहे हैं कि ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, इसका जवाब सरकार की ओर से आना चाहिए। ...(व्यवधान)... हमें दूसरा सवाल उठाना है। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: I am giving. I am giving. *(Interruptions)* Please sit down. *(Interruptions)* Please sit down. *(Interruptions)* आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान)... सुषमा जी, दो मिनट में बात हो जाएगी। ...(व्यवधान)... देखिए, यह सब मेम्बर्स को सोचना है। प्लीज ...(व्यवधान)... आप बैठ जाइये। ...(व्यवधान)... दूसरी पार्टी के लोगों को भी कुछ पूछ लेने दीजिए। ...(व्यवधान)... आप बात सुन लीजिए। ...(व्यवधान)...

श्रीमती वृंदा कारत: सर, मेरी बात नहीं सुनी जा रही है। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, मंत्री जी की ओर से इसका जवाब आना चाहिए। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: अगर हाउस गड़बड़ाया तो आपका मामला नहीं आएगा। ...(व्यवधान)... उनको बोलने दीजिए। ...(व्यवधान)... आप बैठ जाइये। ...(व्यवधान)... आप बैठ जाइये। ...(व्यवधान)... देखिए, अगर दो मिनट वह बोल देतीं, तो मिनिस्टर साहब रिएक्ट कर देते। ...(व्यवधान)... आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान)... please sit down. *(Interruptions)*

प्रो॰ राम देव भंडारी: सर, यह स्वस्थ परम्परा नहीं है। ...(व्यवधान)...

श्रीमती वृंदा कारत: सर, बाबा साहेब अम्बेडकर की मूर्ति को तोड़ा है, उसका हम विरोध करते हैं। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, ...(व्यवधान)... पश्चिमी बंगाल में किसानों की भूमि टाटा मोटर्स को छोटी कार बनाने के लिए दी जा रही है। ...(व्यवधान)... किसानों की उपजाऊ भूमि उसको दी जा रही है। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: सुषमा जी, आप दो मिनट उनको बोलने दीजिए। ...(व्यवधान)... मैं बुला रहा हूं। ...(व्यवधान)... उनको दो मिनट बोलने दीजिए। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: जो लोग इसका विरोध कर रहे हैं, उनको गिरफ्तार किया जा रहा है। ...(व्यवधान)....

श्री दिनेश त्रिवेदी: सर, पश्चिमी बंगाल में क्या हो रहा है? ...(व्यवधान)... वहां पर सबको अरेस्ट किया जा रहा है। ...(व्यवधान)...

श्रीमती वृंदा कारत: सर, मैं क्या बोल नहीं सकती हूं। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: मैं आपको बोलने का मौका दे रहा हूं। ...(व्यवधान)... मैं आपको बोलने का मौका दे रहा हूं। ...(व्यवधान)... वृंदा जी, मैं आपको बोलने के लिए अलाऊ कर रहा हूं। ...(व्यवधान)...

श्रीमती वृंदा कारत: सर, मैं ऐसे में कैसे बोल पाऊंगी। ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: मैं आपको बोलने दूंगा। ...(व्यवधान)... What can I do, tell me? ...(*Interruptions*)...

श्रीमती वृंदा कारत: सर, सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित होना चाहिए। ...(व्यवधान)... हम इसकी निंदा करते हैं। ...(व्यवधान)... यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण मामला है। ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Nothing will go on record. (*Interruptions*)

SHRI PRASANTA CHATTERJEE: *

SHRI MATILAL SARKAR: *

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN:*

SHRI AMAR SINGH:*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I am helpless ...(*Interruptions*)... Nothing will go on record ...(*Interruptions*)...

---

*Not recorded.

SHRI PRASANTA CHATTERJEE:*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Nothing will go on record ...*(Interruptions)*...

श्रीमती वृंदा कारत: यह क्यों नहीं बोलने दे रहे हैं, यह मेरी समझ में नहीं आ रहा है। ...(व्यवधान)... सर, यह क्या हो रहा है? ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I am requesting them; I am requesting you ...*(Interruptions)*... Nothing will go on record ...*(Interruptions)*... Till I say, nothing will go on record ...*(Interruptions)*... मैंने बोलने की इजाजत दी है The House is not in order. What can I do? ...*(Interruptions)*... मैं क्या कर सकता हूं? ...(व्यवधान)... The House is adjourned till 2.00 p.m.

The House then adjourned at forty minutes past twelve of the clock.

The House re-assembled after lunch at two of the clock, MR. DEPUTY CHAIRMAN in the Chair.

STATEMENT BY MINISTER

Dismantled overbridge crashing on Howrah-Jamalpur Express at Bhagalpur

SHRI DINESH TRIVEDI (West Bengal): Sir, I had given a notice to speak in the Zero Hour on Singur ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Statement by Minister ...*(Interruptions)*...

रेल मंत्री (श्री लालू प्रसाद): उपसभापति जी, मुझे सदन को यह सूचित करते हुए अत्यंत दु:ख हो रहा है कि दिनांक 2.12.2006 को सुबह लगभग 7 बजकर 45 मिनट पर जब 3071 अप हावड़ा-जमालपुर एक्सप्रेस भागलपुर स्टेशन पहुंचने ही वाली थी कि उसी समय हटाये जा रहे "उल्टा पुल" का मलवा अचानक गिरने से ट्रेन का एस-8 कोच मलवे के नीचे दब गया। अभी तक प्राप्त सूचना के अनुसार इस दुर्घटना में 35 यात्रियों की मृत्यु हो गई, 12 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए और चार यात्रियों को साधारण चोटें आईं। घायल यात्रियों को भागलपुर के जवाहर लाल नेहरू अस्पताल में तुरंत भर्ती करा दिया गया। ...(व्यवधान)...

घटना की सूचना मिलते ही राहत एवं बचाव कार्य दल घटनास्थल के लिए रवाना हो गया। महाप्रबंधक, पूर्व रेलवे तथा मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक अपने संबंधित अधिकारियों के साथ दुर्घटना स्थल पर पहुंचे। दिल्ली से रेलवे बोर्ड के सदस्य, इंजीनियरिंग भी घटनास्थल पर पहुंचे।

*Not recorded.